विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-१६/०७/२०२० (एन.सी. ई.आर.टी. पर आधारित प्रश्न )

*श्लोक ९.

संपत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरुपता ।

उदये सविता रक्तो रक्तश्चास्तमये तथा ।।

*अन्वय:-

महताम् सम्पत्तौ च विपत्तौ च एकरुपता भवति ।(यथा ) सविता उदये रक्त: भवति ,तथा अस्तमये च रक्त: भवति ।

*शब्दार्था:-

संपत्तौ – संपत्ति आने पर , एकरुपता – एक जैसी स्थिति होती है

रक्त: - लाल , विपत्तौ – मुसीबत आने पर

उदये – उदय होने पर , अस्तमये – अस्त होने पर

महताम् -महान लोगों की , सविता – सूर्य

*अर्थ-

धनवान होने अथवा (और)धनहीन होने पर महान लोगों की एकरुपता (एक जैसी कार्यशीलता ) होती है।

जैसे उदय होते समय पर सूर्य लाल रंग का होता है तथा अस्त होने के समय पर भी वह लाल रंग का होता

है।